



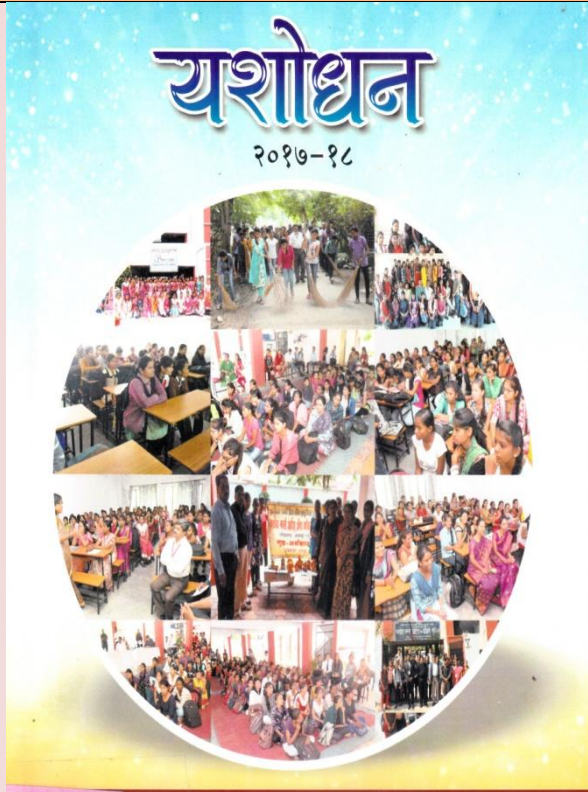
**YASHODA GIRLS'
ARTS AND COMMERCE COLLEGE
SNEH NAGAR, NAGPUR**

**YASHODHAN COLLEGE SOUVENIR
PHOTOGRAPH**

2017-2018 TO 2021-2022

'Yashodhan' is a College Souvenir published annually by the institution in which the creativity and imagination of the students is encouraged to reflect in their writings published in this annually published document. In addition to the articles, poems and other aspects by the students the souvenir encompasses the important events, photographs of the events and the reports of different departments of the institution.

2017-2018: YASHODHAN SOUVENIR



यशोधन

२०१७-१८

059.9
SAM/SOR
50

Purushottam Khepade Health & Education Society's
Yashoda Girls' Arts & Commerce College

Accredited 'B++' with 2.82 CGPA for First Cycle by NAAC

Affiliated to R.T.M. Nagpur University, Nagpur

Sneh Nagar Wardha Road, Nagpur-15 ☎ 0712-2290637, 2290368



यशोधन
संस्करण २०१७-१८

संपादक मंडळ

संपादक: प्र. रंजना मेहता, संपादक: डॉ. प्रकाश मोहक, कार्यकारी संपादक: डॉ. शारदा सांबोरे, डॉ. प्रमोद पटेल, डॉ. विजय शिंदे, सहायकी संपादक: सविता भोसले, सहायकी संपादक: डॉ. संदिप गवडेकर, डॉ. अमोल राऊत, देवकान्ते श्रीवास्तव, शर्मिष्ठा मोहदुर्गे, सौमिणी राऊत

सल्लागार मंडळ

डॉ. के.जी. मेहता, कार्यकारी संपादक: डॉ. शारदा सांबोरे, प्र. रंजना मेहता

डॉ. प्रकाश मोहक
प्रा. रंजना मेहता, संपादक, यशोधन मंडळ, अहमदनगर, महाराष्ट्र

डॉ. शारदा सांबोरे
रा.तु.म. नागपूर विद्यापीठ, बी.ओ.एस. रायवडगाव, नांदेड, महाराष्ट्र

डॉ. कुलकर्णी प्रकाश
रा.तु.म. नागपूर विद्यापीठ, बी.ओ.एस. धर्मास, नांदेड, महाराष्ट्र

यशाचे मानकरी

डॉ. कुलकर्णी प्रकाश

डॉ. कुलकर्णी प्रकाश

डॉ. कुलकर्णी प्रकाश

डॉ. कुलकर्णी प्रकाश

डॉ. कुलकर्णी प्रकाश

संपादक मंडळ: डॉ. अमोल राऊत, डॉ. अमिताभ शिंदे, डॉ. अमिताभ शिंदे, डॉ. अमिताभ शिंदे, डॉ. अमिताभ शिंदे

यशोधन

२०१७-२०१८

अनुक्रमणिका	
१) नेटवर्क के १० फायदे	०१
२) किन्हीं देश बनाया महाशक्ति !	०३
३) नृत्यो 'खुब' अनमोल आहात	०३
४) वज्रनिवाद	०३
५) माझी आई	०७
६) बुद्ध के अनुसार अशुभ	०८
७) (अकृशाल) अर्थात् बुरे कर्म	०९
८) पर्यावरण संतुलनाची समस्या	०९
९) त्यागवती रमाई अभिडेकर	१२
१०) महान दार्शनिक आचार्य नागार्जुन	१२
११) राखेबादजातक	१४
१२) मात प्रकाश्या धार्या	१६
१३) सुविचार	१६
१४) सुजन कि इतिहास में	१७
१५) इम धरती को बचाने के लिए	१८
१६) तो बाप असतो	१९
१७) नई सोच नई उमीद	२०
१८) आई	२१
१९) सुविचार	२२
२०) सुविचार	२३
२१) भारत में प्रथम	२४
२२) ओल्ड ड्रिज गोल्ड	२५
२३) "सपन"	२६
२४) Love Mom	२६
२५) बेटी	२७
२६) अनमोल सुविचार अमृतकण	२४
२७) आई	२९
२८) सप	३०
२९) महामंगल सुल में बुद्ध ने	३६
३०) नैतिक उपदेश दिए हैं	
२८) आपकी सोच आपपर निर्भर है ।	३०
२९) आयुष्य	३१
३०) ग्रीड स्वप्नाची वाट	३१
३१) विचार	३२
३२) पालभाषा	३२
३३) मेल सुल (मैत्री सुल)	३३
३४) सुभासितानि	३४
३५) पुलसम कब्जा (पुत्र समान कन्या)	३५
३६) Where the mind is without Fear ...	३७
३७) God is Teacher	३८
३८) Gst that is GST in India ?	३८
३९) उई लेख	४२-५०
वार्षिक अहवाल	
४०) अकिडमीक संपिती	५१
४१) राज्यशास्त्र विभाग	५३
४२) इतिहास विभाग	५४
४३) किडा व सांस्कृतिक महोत्सव	५५
४४) मराठी विभाग	५७
४५) शारिरीक शिक्षण व किडा	५८
४६) LIBRARY DEPARTMENT	६१
४७) समाजशास्त्र विभाग	६३
४८) गृहअर्थशास्त्र विभाग	६४
४९) राष्ट्रीय सेवा योजना	६५
५०) अर्थशास्त्र विभाग	६६
५१) DEPARTMENT OF COMMERCE	६७
५२) DEPARTMENT OF ENGLISH	६८
५३) कनिष्ठ महाविद्यालय अहवाल	६९

यशोधन

२०१७-१८

सुविचार

१) एका वक्रन आ संकटा है जब हम अज्ञान को रोकने में असमर्थ हो संकटों ऐसा वक्रन कभी नहीं आना चाहिए जब हम विरोध करने में नाकाम रहे - अज्ञानको व्यक्तिगतियों में से विन्यासने प्रतिशत वे लोग होते हैं विन्यास आदम बहाने बनाने की होती है -

४) एकता का किला सबसे सुदृढ होता है । न वह टूटता है और न उसमें रहने वाला कभी दुखी होता है !

५) सबसे अधिक ज्ञानी वही है जो अपनी कमियों को समझकर उनमें सुधार कर सकता है -

दामिनी मोहदुर्गे
बी. ए. भाग - 1

सुजन कि इतिहास में

सुजन नेटवर्क कभी हम संदर्भों के व्याप में कभी हम भी तो चुके हैं, सुजन को जीवितार से।

जताया सुजन ने अधिकार से। कल्पना कि धूप में बनती रहे परछाईयाँ नापते हैं हम सभी अब सुजन कि गहराईयाँ

विचरते अब तक रहे हम, सुजन के आभास में बन गये कितने सरोवर मजना कि प्यास में लेखनी खूब भी उठी है भावना संसार से हक हमी पर है

सुजन अपना बुद्धते अनुभूति के अनुप्रास में.. हम सभी शामिल रहेंगे सुजन के इतिहास में।

रेवती चव्हाण, १२ वी

2017-2018: YASHODHAN SOUVENIR

کارپیک- ۲۰۱۷-۱۸

آزادگی

Where The Mind Is Without Fear

Where the mind is without fear and the head is held high
Where knowledge is free
Where the world has not been broken up into fragments
By narrow domestic walls
Where words come out from the depth of truth
Where tireless striving stretches its arms towards perfection
Where the clear stream of reason has not lost its way
Into the dreary desert sand of dead habit
Where the mind is led forward by thee
Into ever-widening thought and action
Into that heaven of freedom, my Father, let my country awake.

-Rabindranath Tagore

This is my favourite poem by Rabindranath Tagore. I like this poem because it teaches us fearlessness. Tagore prays to God for his countrymen. In the days of British rule, Tagore teaches boldness to Indian people and still we need his teachings. We must think over it and read this poem again and again.

Ujwala Nimsadkar
B.A. Part I

صوبہ گلشن اقبال، ایف ڈی کالج، کراچی (37)

کارپیک- ۲۰۱۷-۱۸

آزادگی

میر کارواں - مولانا ابوالکلام آزاد

مولانا آزاد پڑھوں برس میں پروان چڑھنے والی ہندو مسلم تہذیب کا ایک شاہکار تھے۔ انہوں نے مشرقی تہذیب، ادب اور علم دونوں کے ماحول میں تربیت پائی۔ انہوں نے اپنے مطالعہ کی گہرائی اور فکر کے فیض سے تعلیم کی حدود کو وسیع کیا۔ اس میں جدید علوم اور مغربی فکر کو خوبصورتی سے سودا۔ قدرت نے ان سے مسلمانوں کی ذہنی اور مذہبی قیادت انجام دینے کا کام لیا۔ اور قوم کو سیاسی رہبری بھی ان کے نصیب میں رکھ دی۔ انہوں نے مسلمانوں کو قرآن کی تہذیب سے آشنا کیا۔ ان کا خیال تھا کہ مسلمان دوسری قوموں سے الگ رہ کر اپنے مسائل کو حل نہیں کر سکتے۔ مولانا آزاد مذہبی بحری سیاست میں رہنے کے باوجود پروجیکٹڈ سے دور رہے۔

وہ ہندوستان کی تقسیم ہندوؤں اور مسلمانوں دونوں کیلئے نقصان دہ اور خطرناک سمجھتے تھے۔ انہیں نہ روپیہ کمانے کی خواہش تھی نہ قوت حاصل کرنے کی، ان میں ایک طرف مشرق کی سکون پسندی گہرائی روا داری، روح داری، انسانیت اور روحانی بصیرت تھی اور دوسری طرف مغرب کی روشن خیالی، ذہنی حرات، انسانی دوستی، فعالیت اور عوام کی پاسداری کا جذبہ تھا۔ مولانا ایک زبردست عالم دین تھے۔ وہ ایک پختہ کار اور بیدار مغز سیاست دان تھے۔ قدرت نے مولانا آزاد کو ایسا روشن دماغ دیا تھا کہ وہ مشکل سے سیاسی مسئلے کی گتھیوں کو سمجھا دیتے۔ ان میں بے بنیادی کی ایک خاص شان تھی۔ نام و نمود اور شہرت سے نفرت، سچی سچی انجمن، کسی درگاہ، کسی عمارت کو اپنے نام سے منسوب نہیں ہونے دیا۔ یونیورسٹی کی اعزازی ڈگریاں قبول نہیں کیں۔ تاریخ پیدائش تک پوشیدہ تھی۔ وہ شاہانہ شخصیت اور فکر و عمل رکھنے کے باوجود غریبوں کیلئے اپنے دل میں ہمدری اور گراؤ رکھتے تھے۔

Aafreen
B.A. II Year

پتہ گلشن اقبال، ایف ڈی کالج، کراچی (43)



یاشودھن
کارپیک- ۲۰۱۷-۱۸

تصویری تقریر



شاہک پالک سما پادریکاری



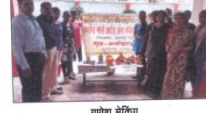
ساہن پیریا ویس کارڈکم



آسانرادیہہ مہیسا دین کارڈکم



ساماجاسان اڈھاس مڈکارہ اڈھادٹن



مہیسا مہیسا



۹۲، سیت پرائیویڈ پرائی



ڈاس پڈکھنپادری اڈھادری



پرائیویڈ



ایف ڈی کالج ایف ڈی کالج ایف ڈی کالج



ایف ڈی کالج ایف ڈی کالج ایف ڈی کالج

یاشودھن ایف ڈی کالج، کراچی



یاشودھن ایف ڈی کالج، کراچی

پرائیویڈ



ایف ڈی کالج ایف ڈی کالج ایف ڈی کالج


شاہک پالک



ایف ڈی کالج ایف ڈی کالج ایف ڈی کالج

2018-2019: YASHODHAN SOUVENIR

यशोधन २०१८-१९



Purushottam Khaparde Health & Education Society's

Yashoda Girls' Arts & Commerce College

Accredited 'B++' with 2.82 CGPA for First Cycle by NAAC
Affiliated to R.T.M. Nagpur University, Nagpur
eh Nagar Wardha Road, Nagpur-15 ☎: 0712 - 2290637, 2290368

059.9
SHEKAR
Y.58

यशोधन

संपादक मंडळ



डॉ. साविता पुनया, डॉ. प्रमोद फटींग, प्राचार्य डॉ. धनराज शेठे, डॉ. शरद सांबारे, प्रा. राजेश घोगेरे

हार्दिक अभिनंदन!



Dr P G Fating
राज्य, भारतीय विद्या ढाण्डा
राडुड, नागपु, विद्यार्थी ढाण्डा



Dr Sahard Sambare
राज्य, भारतीय विद्या ढाण्डा
राडुड, नागपु, विद्यार्थी ढाण्डा



Dr Amol Raut
राज्य, भारतीय विद्या ढाण्डा
राडुड, नागपु, विद्यार्थी ढाण्डा



Ku. Shantha S. Dhurve
B.A. Hyc
राडुड, नागपु, विद्यार्थी ढाण्डा



Ku. Milha R. Dahane
B.A. Hyc
राडुड, नागपु, विद्यार्थी ढाण्डा



Ku. Prachi G. Purnam
B.A. Hyc
राडुड, नागपु, विद्यार्थी ढाण्डा



Ku. Shashana S. Wagh
B.A. Hyc
राडुड, नागपु, विद्यार्थी ढाण्डा

अभिनंदन आण्डा विद्यार्थी ढाण्डा
डॉ. सांबारे आण्डा विद्यार्थी ढाण्डा

यशोधन मंडळ, अर्द्धत आण्डा कॉलेज, नागपु

अनुक्रमणिका

यशोधन २०१८-१९

■ लेख		
१) आजची शिक्षण पध्दती	-	रुपाली शिवशंकर नागपुरे
२) कावडी लोकसंख्या	-	विधी तिडके
३) पशुचार	-	साक्षी कापसे
४) वन्यु व सेवा करा	-	राणी अरुण पाटील
५) मुलगी वाचना देशभडवा	-	प्रणाली रविदर तडस
६) अक्वव दनाचे महत्व	-	लक्ष्मी मंदाळे
७) कौशल्य भारत - कुराल भारत	-	गायत्री माकोडे
८) विडकलाण	-	उर्मिला डोगरे
९) जीवन (कविता)	-	श्रध्दा धुवे
१०) चारोळी (कविता)	-	निकोला डहाणे
११) आई (कविता)	-	राजकुमारी पंचेश्वर
१२) विद्यार्थ्यांनी करियर कसे निवडायचे	-	मोनिक्का वाटकर
१३) सुविचार	-	मनली मईसाळकर
१४) सावित्रीबाई फुले जीवन गाथा	-	प्रिती भिसोकर
१५) अमेरिकेच्या वास्तव्यात अब्दुल कलामांना आलेले अनुभव	-	आरती वाधमारे
१६) क्रांतीच्या सावित्रीबाई फुले	-	सायली कैलाश देशमुख
१७) षोडे पन्हाःसाडी (कविता)	-	आरती वाधमारे
१८) न्या दिवशी पाऊस होता (कविता)	-	भाग्यश्री कोंबाडे
१९) डॉ. अब्दुल कलाम : प्रेरणेचा झरा	-	देवयानी प्र. श्रीराव
२०) जल प्रदूषण	-	कोमल किशन पाखी
२१) सावित्रीबाई फुले	-	दुर्गा शाहू
२२) माझ्या मनात येते(कविता)	-	निकोला गावकवाड
२३) विचार (कविता)	-	निकोला चौधरी
२४) धरताचे सविधान	-	मिनाक्षी फाटील
२५) Contribution of Indian Women in Sports	-	Ku Shradha Dhurve
२६) Magnificen Mary - Indian Boxer	-	Ku Preeti Bansode
२७) The Begnning Life of Many Kom	-	
२८) Famous Trational Folk (Indian Dances)	-	Ragini Jayswal
२९) सविधान	-	रागिनी वि. मोडुते
३०) वाट (कविता)	-	रुपाली र. साळके
३१) सावित्री (कविता)	-	अंकीता कडू
३२) Life is what	-	Pratika Dhapadkar
३३) Book a gift from God	-	Rakhi Shende

विभाग निहाय अहवाल	
१) कनिष्ठ महाविद्यालय	८) The College Library
२) समाजशास्त्र विभाग	९) अनुभव हेल्थ सेल
३) अकेडेमिक समिती	१०) कॉमर्स विभाग
४) राज्यशास्त्र विभाग	११) अर्थशास्त्र विभाग
५) गृहअर्थशास्त्र	१२) इतिहास विभाग
६) राष्ट्रीय सेवा योजना	१३) सराडी विभाग
७) शारतीक शिक्षण व क्रिडा विभाग	१४) इंग्रजी विभाग

आजची शिक्षण पध्दती

आजच्या शिक्षण पध्दतीची मूलकधीच्या कालखंडात अर्थवत्त आजची पध्दती छुपाईचा सोध न सांगल्यामुळे पध्दती शिक्षण कालात पध्दती करून स्मरणगत देवणे शक्य होते. आजच्या शिक्षण पध्दतीत पध्दती करून सर्व ज्ञान स्मरणगत देणे शक्य झाले. तेव्हा छुपाईचा सोध सांगला. आजच्या शिक्षण पध्दतीत अर्थवत्त करून सर्व ज्ञान स्मरणगत देणे शक्य झाले. तेव्हा छुपाईचा सोध सांगला. आजच्या शिक्षण पध्दतीत अर्थवत्त करून सर्व ज्ञान स्मरणगत देणे शक्य झाले. तेव्हा छुपाईचा सोध सांगला.

२) ज्ञानपेक्षा माहितीच्या आधारावर शिक्षण पध्दती :- आज आपण अंमलात आणलेल्या शिक्षण पध्दतीत आपल्याला विशिष्ट गोष्टींची उतम प्रकारे माहिती प्राप्त होते. मात्र त्या ज्ञानाचा प्रत्यक्ष अनुभवत वापर करणे त्याला आपण प्रॅक्टिकल लाईफ (Practical Life) असे म्हणतो.

३) स्पर्धात्मक शिक्षण पध्दती :- स्पर्धा हे आजच्या शिक्षण पध्दतीचे अविभाज्य अंग झाल्याने विद्यार्थ्यांना आपली लक्षणावली पाहून या स्पर्धेत टिकून राहण्याकरिता आणि गुण मिळविण्याकरिता ते विद्यार्थी लक्षणावली पाहून आपल्याच्या ओंझ्याखाली दाखवा जातो. त्याची आवड कुठे आहे हे न समजून घेता स्पर्धेत धावणे हे त्यालाही अशक्य असतेच. अशा प्रकारच्या शिक्षण पध्दतीची उदरगत घेण्याचा या विद्यार्थ्यांकडून शिक्षकांच्याही विविध अपेक्षा असतात. त्या अपेक्षा अशा शिक्षकांच्या असण्याचा विविध जबाबदाऱ्या. त्यांना असणाऱ्या अतिरिक्त कामाचा भार यामुळे ते नाईलाजाने पटापट अभ्यासक्रम पूर्ण करण्याच्या मार्ग असतात. विद्यार्थ्यांनी स्वयंअध्ययन करावे याकडे स्वाभाविकच कल जात असतो. अशा या शिक्षण पध्दतीत विविध धडक्यांचा सहभाग लागतो. हे अधिकधिक कालमुमल ज्ञानाचा देशाच्या विकाससाठी साहाय्यपूर्ण उपाय होऊ सर्व भारतीयांनी प्रामाणिक इच्छा आहे.

रुपाली शिवशंकर नागपुरे
ची कॉम ।

१) गुणांवर आधारित शिक्षण पध्दती :- आजच्या शिक्षण पध्दतीत गुण हेच सर्वस्व असल्याचे दिसते.

2018-2019: YASHODHAN SOUVENIR

यशोधन

Famous Traditional, Folk (Indian Dances)

Andhra Pradesh	-	Veeranatyam
Assam	-	Bihu
Chhattisgarh	-	RautNacha
Gujrat	-	Garba
Jammu & Kashmir	-	Rauf
Karnataka	-	DolluKunitha
Kerala	-	Pulikali
Madhya Pradesh	-	Matki
Maharashtra	-	Lavani
Odisha	-	Ghumura
Panjab	-	Bhangra
Rajasthan	-	Ghoomar
Tamilnadu	-	Karakattam
Uttar Pradesh	-	Rasleela
West Bengal	-	Chhau

रागिनी जयस्वाल
B. Com. II

(25)

यशोधन

Contribution of Indian Women in Sports

The first women contingent from India that took part in Olympic was in Helsinki Olympic 1952. Indian athletes participated in IST Asian Games at New Delhi in 1951 won 2 Silver and 5 Bronze Medals altogether. After that Kamaljit Sundhu won 1st Gold medal in 1970 in Jakarta Asian Games. Indian Females have been making their mark and various disciplines of sports and have brought glory to our Inter-National Sports meet including Asian Games, Commonwealth Games and also in Olympics. These achievements are remarkable considering the constants the female sportspersons have to overcome throughout their grooming period. It is to be noted that women are comparatively becoming more successful than men. Like P. T. Usha -Athletes- Youngest Sprinter to compete in the 1980 Moscow Olympics. She secured fourth position in 400 meters hurdles in 1984, Los Angeles Olympic. She was the recipient of Padamshree Award and Arjun Award. Karnam Malleshwary-Manipur- Weight Lifting- 1st Indian sports Women to win a medal in Olympics in 2000, Sydney. She was the recipient of Padamshree Award, Arjun Award, Rajeev Gandhi Khel Ratna Award. Saina Nehwal- Badminton Olympic Games -2012, Sania Mirza- tennis- with Padamshree award to her credit. Bachendri Pal in Mountaineering -1st Indian women having Padamshree Award and Arjun Award. Nirupama Vidyanathan, Urmila Mohan, Ashwini Nachpa, Anju Bobby George, Sunita Rao, Shiny Abraham, Kunjrani Devi, Dola Banerjee, Dipika Kumari, Madhumita Goswami, Suman Sharma, Sandhya Agrawal, Sania Mirza, P. V.Sindhu, Anita Raj, Julen Goswami, Sakshi Malik, Geeta Fogat are some of the prominent names.

There are many more Arjun awardees amongst women who have made their contribution. Their journey of achievement is an inspiring account for all those interested in participating different types of sports. Very recent in Jakarta Asian Games - 2018, Sapana Barman (Gold), Duti Chand (Silver) in Athletics. Rahi Sarnobat (Gold) in Archery and Vinesh Fogat (Gold) in Wrestling. Seema Punia (Bronze) in Disc throw, 1500 Mts. Chitra Unnikrishnan (Bronze) in Long Jump and Neena Varkilla (Bronze) in 3000 Mts. Steepchase Sudha Singh (Bronze), Apurva Chanda, Rosbina Devi, Diya Kakran, Ankita Rana, Manika Batra, Varsha Gautam, Shweta Sheerveggar, Harsita Tomar, Deepika, Tanvi Khanna, Sunaina Kuruvita and Joshna Chamma, Apurva Chanda have won the medals. They are the role models of Indian Sports. The country is always proud of their contribution in sports.

Ku. Shraddha Dhurve
B. A. II

(23)

यशोधन



प्रा. प्रेरणा रत्नप्रखरी बांधणी फिन्टर कार्यशाळा



मंचावर उपस्थित डॉ. आळशी श्री. गैहम प्रा. रेखा मेथाम



रा. तु. म. युवारंग कार्यक्रमात प्राविण्यमान महविद्यार्थीनी मुनी



सचक्रा अधिवानात सहभागी विद्यार्थीनी



डॉ. वाबासाहेब ओडेकर जयंती प्रसंगी



महात्मा गांधी जयंती प्रसंग



समाजशास्त्र विभागातर्फे - मतदानाचे महत्त्व विनर प्रकाशन



डॉ. यामिनी आळशी केंन्वर जनजागृती विद्यार्थीनींना मार्गदर्शन करताना

यशोधन

प्राध्यापक वृंद



बसलेले - डॉ. प्रमोद वटींग, प्रा. रावेश सोने, प्राचार्य डॉ. वसंतराव शेटे, डॉ. शरद सांबा, डॉ. प्रकाश सोनव, डॉ. के. जी. मेथाम वृंदे असलेले. डॉ. मोहित रावडेकर, डॉ. सुर्वशी काशीकर, डॉ. महेन्द्र करे, डॉ. ललित पुनया, डॉ. भरिल शिंगे, डॉ. विजय बळकर प्रा. रमेश मेथाम, डॉ. अमोल राजन, डॉ. सुभाकर वुन

शिक्षकेतर कर्मचारी



बसलेले - श्रीमती वसु मेथाम, प्राचार्य डॉ. वसंतराव शेटे, डॉ. सुभाकर वुन (प्राचार्य) वृंदे असलेले. श्रीमती विनायक, डॉ. योगेश सोबाने, श्री विजय वर, श्री निविंद हुदकर, श्री विलास कावडे श्रीमती अर्चना धारडे

2019-2020: YASHODHAN SOUVENIR

वार्षिकांक
२०१९-२०

Purushottam Khoparde Health & Education Society's
Yashoda Girls' Arts & Commerce College
 Accredited 'B++' with 2.82 CGPA for First Cycle by NAAC
 Affiliated to R.T.M. Nagpur University, Nagpur
 Sneha Nagar Wardha Road, Nagpur-15 ☎: 0712-2290368

यशोधन
२०१९-२०

053.9 SHE/PUN
358

यशोधन

संपादक मंडळ

डा. किशोर किंगे, प्रा. रेखा वेभाम, डॉ. समीरत पुजरा, प्राचार्य डॉ. धनराज भेंडे, प्रा. राजेश घोरे, डॉ. के.वी. वेभाम, डॉ. मोहित रावठकर.

Ku. Shardha S. Dhurve
B.A. II yr.

Ku. Paju R. Jilshare
B.A. I yr.

Ku. Vanhree D. Parleki
B.A. I yr.

Ku. Poyal R. Dshake
B.A. I yr.

All India Inter University Rugbby

यशाचे मानकरी

हार्दिक अभिनंदन !

Ku. Chakoli M. Gedam
B.A. I yr.

Ku. Ankita N. Kado
B.A. II yr.

All India Inter University Netball, All India Inter University Korfball

संपादक मंडळ, आर्ट्स, कॉमर्स कॉलेज, नागपूर

वार्षिकांक २०१९-२० अनुक्रमणिका यशोधन

लेखाचे नाव	पान क्र.	लेखाचे नाव	पान क्र.
1) कलाकार मागील आणि कलसुवा गांधी	१-६	४) निरस महाज निव	
2) कलाकार गांधी		५) डिजिटल कथना	
3) कलाकार गांधी		6) राष्ट्रीय एकामना	३४-४४
4) गांधीजी की महिला साथी		१) राष्ट्रीय एकामना	
5) पुस्तकात गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		२) राष्ट्रीय सेवा योजना	
6) कलाकार गांधीजी आणि सत्यमेव		३) शीत प्रसन्नसौम्य विकसन	
7) स्वच्छ भारत अभियान		४) विज्ञान प्रतियोगिता हक्काचे नाही कुणाय्या	
8) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		५) अर्थी	
9) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		6) घोरते वरत - जयंत	
10) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		७) अखिर काय करू	
11) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		८) अखल	
12) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		९) मैत्रि	
13) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		१०) मुक्तीचे तंत्रिक सोपेच व पालकांची जबाबदारी	
14) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		११) जी. एस. टी आणि अवघड कायदा	
15) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		१२) निवृत्ती वसुंधर बंकिकर - एक स्वप्न!	
16) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		13) निवृत्ती सहाय्य	४४-४५
17) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		१) शोकाय	
18) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		२) जन्म सुख दुःखी	
19) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		३) सुधासिंहासना	
20) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		४) उनाचरी	
21) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		5) इंग्रजी साहित्य	४४-५०
22) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		1) Life in Pandemic	
23) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		2) My Dream Business	
24) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		3) The Elephants in cage	
25) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		4) Online Business	
26) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		5) Homemade Business Marketing	
27) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		6) Books	
28) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		7) Kamal Sohoni the devoted Scientist	
29) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		8) Covid-19	
30) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		9) उर्दू साहित्य	५१-५५
31) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		1) इश्वरी विभाग	५६
32) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		२) मराठी विभाग	५७-५८
33) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		३) कामर्स विभाग	५९
34) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		४) समाजशास्त्र विभाग	६०
35) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		५) राजशास्त्र विभाग	६१
36) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		६) गृहअर्थशास्त्र विभाग	६२
37) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		७) प्रवचन	६३
38) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		८) सांख्यिक विभाग	६४-६५
39) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		९) राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग	६५
40) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		१०) अनुभव हेथ येत	६६
41) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		११) सांख्यिक विभाग	६६
42) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		१२) प्लेसमेंट सेल	६६
43) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		१३) अर्थशास्त्र विभाग	६७-६८
44) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		१४) अर्थशास्त्र विभाग	६९
45) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		१५) इतिहास विभाग	७०
46) गांधीजी आणि सत्यमेव जयते		१६) अर्थशास्त्र विभाग	७१-७३

संपादक मंडळ, आर्ट्स, कॉमर्स कॉलेज, नागपूर

वार्षिकांक २०१९-२० अनुक्रमणिका यशोधन

माझी खरी मैत्रिण - "आई"

... एका स्वतंत्र व्यक्तिमत्त्व देणे आवश्यक ...

... पंडता आम्ही खूप असतो. परंतु कधी-कधी अशी वेळ येते ...

... "तुझं माझ जमेना, तुझ्यावाचून करमेना!"

... मला असे वाटते की, लक्षापणे मागे सरून जेव्हा मुली ...

... स्वतःचे काम स्वतः करणे, स्वयंपाक करणे, वेगवेगळे पदार्थ ...

... "स्वामी तिन्ही जगणा आईविना भिकारी"

पुजा बडवाकर
बी.ए.-३

आदर्श प्रेरक स्त्रिया

आदर्श जीवन जगाताना ...

विसरू नकोस त्या प्रेरणांना ...

त्यांच्या प्रेरणेक जीवनला ...

समिधा कोठापे
बी.ए.-२

संपादक मंडळ, आर्ट्स, कॉमर्स कॉलेज, नागपूर

2019-2020: YASHODHAN SOUVENIR

यशोधन

KAMALA SOHONI : THE DEVOTED SCIENTIST

Kamala Sohoni was the first Indian woman scientist. Her father Narayan Bhagwat and uncle Madhav were also the scientists. She was inspired by them. She was born in 1912. In that age her father supported her for studies. This is amazing. She achieved the first position in Bombay University and got scholarships. She wished to become a scientist and so applied in Indian Institute of Science, Bangalore. Dr. C. V. Raman, the Noble Prize winner scientist was the director of the institute, he rejected her as he thought that research is not the field of woman. But Kamala argued politely and told that she was the follower of Mahatma Gandhi and she will perform "Satyagraha" there and will not return to her home. Sir Raman surprised and allowed her to work on probation for one year. Dr. Raman admitted that she was wrong and corrected his mistake by allowing two more women in his institution. Kamala played chess and Raman praised for her performance in the games also.

For her MSc. she received fellowships and went to Cambridge. She worked under the guidance of Sir Raman the Noble Prize winner scientist. He also praised her as brilliant and hardworking girl. In 1938, she attended the conference of League of Nations, as a representative of India, England and America where she was studying in England and received the fellowships from America. Her speech was very effective there.

She discovered Cytochrome "C" in potato, which was very important discovery in the respiration process. In 1939 she received her PhD degree in Cambridge University. She was the first Indian and the first woman to achieve this. In only 14 months, she completed her thesis that was also a record. Many companies offered her job in America and England, many scientists also insisted her to work there. She wished to work for poor Indian people so she returned India.

As a young girl she faced many difficulties in Indian patriarchal society. She had many bad experiences but she never gave up her aims and goals so she was working firmly. In 1947 she married to Madhav Sohoni who was an agriculturist. He always supported her.

Kamala Sohoni used to work hard while upbringing her two children. She used to go at 3 o'clock in the morning to analyze the "Neera" drink. For twelve years she worked and found vitamin "C" and iron in it. She was invited to start the new department in Baroda University. She worked at two places Bombay and Baroda. In 1960 she received The Best Scientist award from Rashtropati.

After her retirement also she worked for common people in the field of food contamination. In this regard she attended many international conferences. Her book "Ahargatha" is also very useful.

At the age of 85, she died in 1997. She was the sister of thinker and writer Durga Bhagwat. We must remember the dedicated scientist Kamala Sohoni and her work for Indian common people.

- Dr. Vinita Hinge

यशोधन

अज्ञान ही ही की फ़ातना

जिज्ञासा का प्रदीप जलाने वाला - (डॉ. विनिता हिंजे)

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

अज्ञान ही ही की फ़ातना है, जिज्ञासा ही ही की फ़ातना है।

वैश्विक शृंगार

यशोधन



इतिहास अभ्यास मंडळ उद्घाटन प्रसंगी डॉ. किशोर रावत मार्गदर्शन करताना



इतिहास अभ्यास मंडळ अर्नांग वायव्युक्ती सेवाग्राम वर्षा सेवे भेट



मराठी गौरव दिन प्रसंगी मार्गदर्शन करताना प्राचार्य डॉ. धनराज रोडे



मराठी गौरव दिन प्रसंगी प्रारंभिक करताना प्रा. डॉ. गोविंद रावठेंकर



उद्योजकता विकास कार्यशाळेचे सहभागी विद्यार्थीनी



अर्थशास्त्र विभाग वर्षा प्लेसमेंट करताना विद्यार्थीनींचा सहभाग



लोकरतीचे विषयक कार्यशाळेचे सहभागी विद्यार्थीनी



कुमाराभवनेतील समारंभ - मार्गदर्शक श्रीमती मीरा कडव



यशोधन

प्राध्यापक वृंद



बसलेले - डॉ. प्रमोद घडगे, प्रा. राजेश सोरोरे, प्राचार्य डॉ. धनराज रोडे, डॉ. शारदा सोरोरे, डॉ. प्रकाश सोरोरे, डॉ. के.जे. मेधाकर, डॉ. अमोलेंकर, डॉ. गोविंद रावठेंकर, डॉ. सुविमल कार्याकर, डॉ. मीरा कडव, डॉ. ललितान पुनवती, डॉ. अनिल हिंजे, डॉ. विजय चव्हाण, प्रा. रमण भेंडकार, डॉ. अमोल रावत, डॉ. सुधाकर वुल

शिक्षकेतर कर्मचारी



बसलेले - डॉ.के.जे. मेधाकर, प्राचार्य डॉ. धनराज रोडे, डॉ. सुधाकर वुल (प्रिन्सिपल), डॉ. अमोलेंकर, डॉ.विजय चव्हाण, डॉ. राजेश सोरोरे, डॉ. मनिष दिवकर, डॉ. निरंजन दिवकर, डॉ. विमल कावई श्रीमती अर्चना कावई